सुप्रीम कोर्ट जाएंगे जस्टिस विनीत सरन !

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 10 July 2018 06:37

: सर्वोच्च न्यायालय में रिक्त हो रहे सात पदों के लिये जल्द हो सकता है नामों की ऐलान , न्याय -क्षेत्र में खलबली : इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सुप्रीम कोर्ट कोटे की एक सीट हो गई है रिक्त , एपी शाही , विक्रम नाथ व सुधीर अग्रवाल : सब की निगाहें कोलेजियम की अगली बैठक पर टिकीं :

कुमार सौवीर

लखनऊ : खबर है कि मूलरूप से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज एवं वर्तमान में ओड़ीसा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विनीत सरन को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया जा सकता है। जस्टिस सरन वर्ष 2002 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज बने थे। वर्ष 2015 में उनका तबादला कर्नाटक हाईकोर्ट कर दिया गया था। वर्ष 2016 में इनको मुख्य न्यायाधीश के पद पर प्रोन्नति देकर ओड़ीसा का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। तब से जस्टिस सरन वहीं पर तैनात हैं।

आपको बता दें कि हाल ही जस्टिस आरके अग्रवाल के सुप्रीम कोर्ट जज के पद से रिटायर हो जाने के कारण उत्तर प्रदेश के कोटे का एक पद सुप्रीम कोर्ट में रिक्त हो गया है। दरअसल हर राज्य का एक कोटा होता है सुप्रीम कोर्ट जज और चीफ जस्टिस के पदों पर तैनाती को लेकर। उत्तर प्रदेश का कोटा दो चीफ जस्टिस और दो सुप्रीम कोर्ट जज का है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के कोटे के दो चीफ जस्टिस के पदों पर जस्टिस विनीत सरन और जस्टिस कृष्ण मुरारी तैनात हैं। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट जज के दो पदों के कोटे में से एक पर जस्टिस अशोक भूषण तैनात हैं व दूसरे पर तैनात रहे जस्टिस आरके अग्रवाल मई में रिटायर हो चुके हैं।

सूत्र बताते हैं कि ऐसी हालत में उस एक पद पर तैनाती के लिये जस्टिस विनीत सरन के नाम की चर्चा ज़ोरों पर है। इसी तरह अगर जस्टिस सरन सुप्रीम कोर्ट में प्रोन्नत हो जाते हैं तब उत्तर प्रदेश के कोटे का चीफ जस्टिस का एक पद भी रिक्त हो जायेगा। उस पद पर तैनाती के लिये इलाहाबाद हाईकोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज जस्टिस एपी शाही, जस्टिस विक्रम नाथ व जस्टिस सुधीर अग्रवाल में से किसी की प्रोन्नति की चर्चा भी हो रही है।

1 / 1